



Ashish Dewan



Niharika Jain

Model: Love-Horoscope

Order No: 121732901

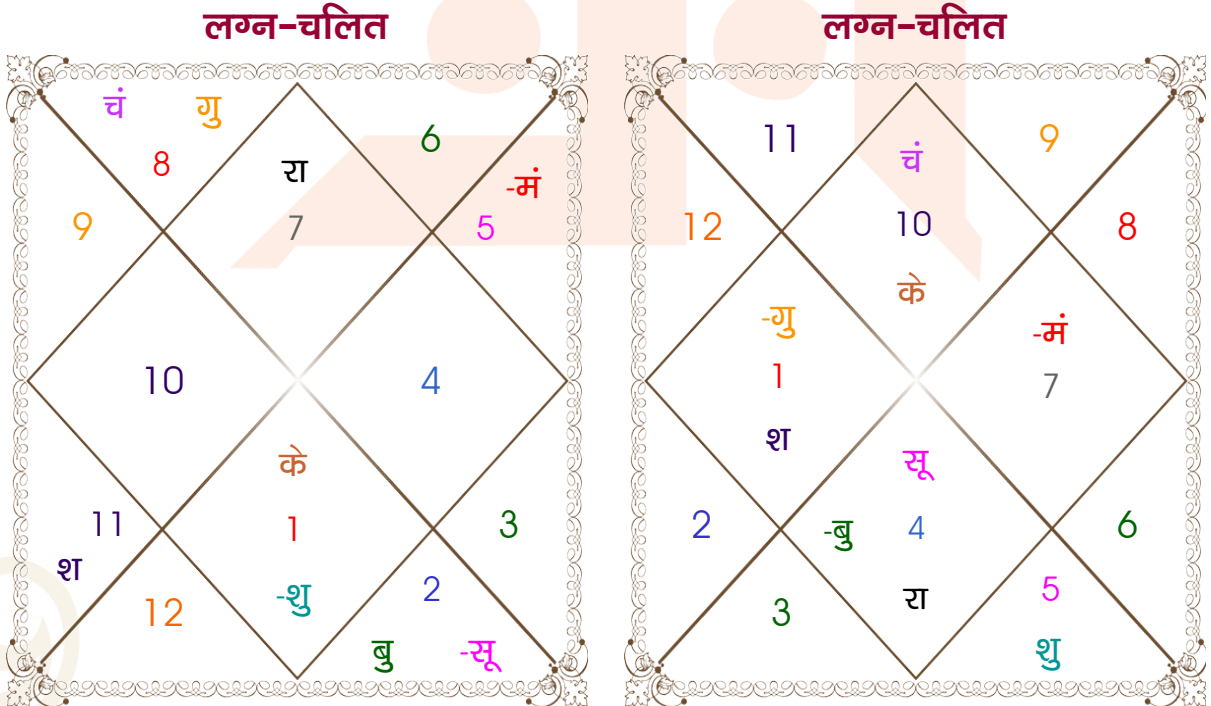
पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
15/05/1995 :	जन्म तिथि	: 28/07/1999
सोमवार :	दिन	: बुधवार
घंटे 18:30:00 :	जन्म समय	: 19:40:00 घंटे
घटी 32:05:49 :	जन्म समय(घटी)	: 34:38:11 घटी
India :	देश	: India
Jaipur :	स्थान	: Gwalior
26:53:00 उत्तर :	अक्षांश	: 26:12:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व :	रेखांश	: 78:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40 :	स्थानिक संस्कार	: -00:17:24 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:39:40 :	सूर्योदय	: 05:40:41
19:06:43 :	सूर्यास्त	: 19:06:40
23:47:41 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:50:52
तुला :	लग्न	: मकर
शुक्र :	लग्न लग्नाधिपति	: शनि
वृश्चिक :	राशि	: मकर
मंगल :	राशि-स्वामी	: शनि
अनुराधा :	नक्षत्र	: श्रवण
शनि :	नक्षत्र स्वामी	: चन्द्र
3 :	चरण	: 1
परिघ :	योग	: प्रीति
कौलव :	करण	: बालव
नू-नूर :	जन्म नामाक्षर	: खी-खिली
वृष :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: सिंह
विप्र :	वर्ण	: वैश्य
कीटक :	वश्य	: जलचर
मृग :	योनि	: वानर
देव :	गण	: देव
मध्य :	नाड़ी	: अन्त्य
सर्प :	वर्ग	: मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 9वर्ष 5मा 24दि	23:23:41	तुला	लग्न	मक	21:58:58	चन्द्र 8वर्ष 1मा 0दि
केतु	00:26:41	वृष	सूर्य	कर्क	11:13:21	राहु
07/11/2021	10:00:43	वृश्चि	चंद्र	मक	12:33:19	28/08/2014
07/11/2028	01:50:08	सिंह	मंगल	तुला	15:49:53	27/08/2032
केतु 05/04/2022	21:26:51	वृष	बुध व	कर्क	08:02:18	राहु 10/05/2017
शुक्र 05/06/2023	18:48:10	वृश्चि व	गुरु	मेष	09:55:12	गुरु 03/10/2019
सूर्य 11/10/2023	04:28:13	मेष	शुक्र	सिंह	11:14:24	शनि 09/08/2022
चन्द्र 11/05/2024	28:49:03	कुंभ	शनि	मेष	22:25:11	बुध 26/02/2025
मंगल 08/10/2024	11:46:01	तुला व	राहु व	कर्क	19:04:42	केतु 16/03/2026
राहु 26/10/2025	11:46:01	मेष व	केतु व	मक	19:04:42	शुक्र 16/03/2029
गुरु 02/10/2026	06:38:11	मक व	हर्ष व	मक	21:22:19	सूर्य 08/02/2030
शनि 11/11/2027	01:40:22	मक व	नेप व	मक	09:04:07	चन्द्र 10/08/2031
बुध 07/11/2028	05:34:34	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	14:00:49	मंगल 27/08/2032

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:41 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:52



Pulak Sagarm

T-13, Cosmo Tower

Hanuman Chauraha, jank ganj

Gwalior - Pin - 474001

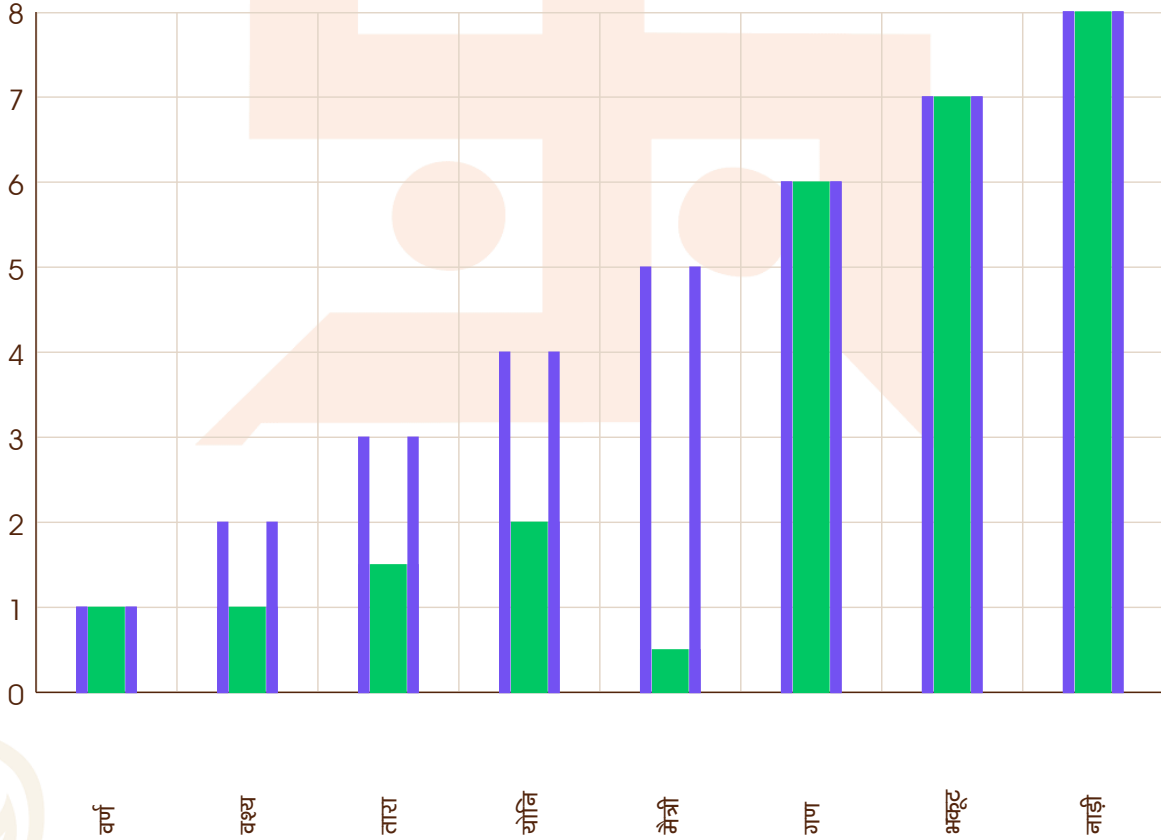
9425187186, 9302614644

Astrodr.hcjain@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

कुल : 27 / 36



Pulak Sagarm

T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com

अष्टकूट मिलान

ीपी क्मूंद का वर्ग सर्प है तथा छपीतपां श्रंपद का वर्ग मारुार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ीपी क्मूंद और छपीतपां श्रंपद का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ीपी क्मूंद मंगलीक नही है क्यौंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

छपीतपां श्रंपद मंगलीक नही है क्यौंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

ीपी क्मूंद तथा छपीतपां श्रंपद में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

Pulak Sagarm

T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

ीपी क्मूंद का वर्ण ब्राह्मण तथा छपीतपां श्रंपद का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। छपीतपां श्रंपद सदैव अपने पति तथा घर में बड़ों का सम्मान करेगी तथा उनकी आज्ञा का पालन करती रहेंगी। छपीतपां श्रंपद मितव्ययी होंगी तथा बचत करके पैसे को लाभदायक उपादानों में निवेश करती रहेंगी।

वश्य

ीपी क्मूंद का वश्य कीट है एवं छपीतपां श्रंपद का वश्य चतुष्पद है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। चतुष्पद एवं कीट दो भिन्न प्राणी हैं। किंतु दोनों का प्रकृति में सह-अस्तित्व है। दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग होते हुए भी दोनों एक-दूसरे के लिए घातक नहीं होंगे। इसी प्रकार, ीपी क्मूंद चतुष्पद अर्थात् पशु एवं छपीतपां श्रंपद कीट वश्य की होने के कारण दोनों के स्वभाव, व्यवहार, गुण, पसंद/नापसंद में अंतर होते हुए भी दोनों के बीच वैवाहिक संबंध सामान्य ही रहने की प्रबल संभावना है। दोनों का स्वभाव गंभीर एवं संकोची रहेगा तथा दोनों सौहार्दता एवं प्रेम से अपना जीवन यापन करते रहेंगे। साथ ही अपने-अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

ीपी क्मूंद की तारा प्रत्यरि तथा छपीतपां श्रंपद की तारा साधक है। ीपी क्मूंद की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत ीपी क्मूंद कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप छपीतपां श्रंपद को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

ीपी क्मूंद की योनि मृग है तथा छपीतपां श्रंपद की योनि वानर है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या

कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में िपी क्मूद का राशि स्वामी छपीतपां श्रंपद के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि छपीतपां श्रंपद का राशि स्वामी िपी क्मूद के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

िपी क्मूद का गण देव तथा छपीतपां श्रंपद का गण भी देव है। अर्थात् दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

िपी क्मूद से छपीतपां श्रंपद की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा छपीतपां श्रंपद से िपी क्मूद की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण िपी क्मूद अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर छपीतपां श्रंपद सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

Pulak Sagarm

T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com

नाड़ी

ीपी क्मूंद की नाड़ी मध्य है तथा छर्पीतपां श्रंपद की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण ीपी क्मूंद एवं छर्पीतपां श्रंपद के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।



Pulak Sagarm

T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

ीपी क्मूंद की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक राशि तथा छपीतपां श्रंपद की पृथ्वी तत्व युक्त मकर राशि है। जल एवं पृथ्वी तत्व में समानता के कारण ीपी क्मूंद और छपीतपां श्रंपद के मध्य स्वाभाविक समानताएं विद्यमान रहेंगी फलतः इनका वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा।

ीपी क्मूंद की जन्म राशि का स्वामी मंगल तथा छपीतपां श्रंपद की राशि का स्वामी शनि परस्पर शत्रु एवं समराशि में स्थित है। सुखी वैवाहिक जीवन के लिए यह स्थिति विशेष अनुकूल नहीं रहेगी। इसके प्रभाव से ीपी क्मूंद और छपीतपां श्रंपद एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे परस्पर संबंधों में तनाव तथा कटुता में वृद्धि होगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति श्रेष्ठता एवं आलोचनात्मक दृष्टि कोण भी रहेगा। अतः यदि ीपी क्मूंद और छपीतपां श्रंपद परस्पर सामंजस्य की प्रवृत्ति से व्यवहार करें तो इसमें किंचित शुभता आ सकती है।

ीपी क्मूंद एवं छपीतपां श्रंपद की राशियां परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके शुभ प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा एक दूसरे के प्रति मन में प्रेम स्नेह तथा समर्पण के भाव की उत्पत्ति होगी जिससे संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करेंगे। अतः ीपी क्मूंद और छपीतपां श्रंपद का वैवाहिक जीवन सुख एवं शांति पूर्वक व्यतीत होगा।

ीपी क्मूंद का वश्य कीट तथा छपीतपां श्रंपद का वश्य जलचर है। कीट एवं जलचर के मध्य नैसर्गिक समता होने के कारण ीपी क्मूंद और छपीतपां श्रंपद की अभिरुचियां समान होंगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताओं में भी समता रहेगी। अतः दाम्पत्य संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे।

ीपी क्मूंद का वर्ण ब्राह्मण तथा छपीतपां श्रंपद का वर्ण वैश्य है। अतः इनकी कार्य क्षमताएं समान होंगी। ीपी क्मूंद की प्रवृत्ति शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्य कलापों के प्रति रहेगी तथा छपीतपां श्रंपद धनार्जन संबंधी कार्यों में रुचिशील होंगी। फलतः इनका कार्य क्षेत्र सुदृढ़ता से युक्त रहेगा।

धन

ीपी क्मूंद और छपीतपां श्रंपद की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। ीपी क्मूंद और छपीतपां श्रंपद की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय में नित्य वृद्धि होगी

Pulak Sagarm

T-13, Cosmo Tower

Hanuman Chauraha, jank ganj

Gwalior - Pin - 474001

9425187186, 9302614644

Astrodr.hcjain@gmail.com

जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा। अतः धनार्जन होता रहेगा।

छपीतपां श्रंपद एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना होगी। यह लाटरी या सटटे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक सम्पति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

ीपी क्मूंद की नाड़ी मध्य तथा छपीतपां श्रंपद की नाड़ी अंत्य है। अतः दोनों की अलग अलग नाड़ियां होने के कारण ये नाड़ी दोष से मुक्त रहेंगे। इसके प्रभाव से ीपी क्मूंद और छपीतपां श्रंपद दोनों का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा परिश्रम एवं पराक्रम से वे अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को यथा समय सम्पन्न करने में समर्थ रहेंगे। इससे दाम्पत्य जीवन में खुशहाली तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी। साथ ही मंगल का भी किसी के स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं रहेगा। अतः उत्तम दाम्पत्य जीवन को व्यतीत करने की दृष्टि से यह मिलान अनुकूल रहेगा तथा ीपी क्मूंद और छपीतपां श्रंपद सुख एवं आनंद पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से ीपी क्मूंद और छपीतपां श्रंपद का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त ीपी क्मूंद और छपीतपां श्रंपद के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में छपीतपां श्रंपद के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन छपीतपां श्रंपद को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में छपीतपां श्रंपद को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से ीपी क्मूंद और छपीतपां श्रंपद सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार ीपी क्मूंद और छपीतपां श्रंपद का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

Pulak Sagarm

T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com

ससुराल-सुश्री

छपीतपां श्रंपद के अपनी सास के साथ संबंधों में मधुरता रहेगी तथा इनके मध्य परस्पर सामंजस्य भी रहेगा। साथ ही सास से छपीतपां श्रंपद को कभी भी कोई परेशानी या समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। छपीतपां श्रंपद भी उनकी सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा सेवा करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुर पक्ष से छपीतपां श्रंपद को यदा कदा अनावश्यक समस्याओं तथा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा एवं वे सन्तुष्ट तथा प्रसन्न अल्प मात्रा में ही रहेंगे। तथापि उनका हृदय जीतने के लिए छपीतपां श्रंपद उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी एवं परस्पर सामंजस्य स्थापित करने के लिए भी तत्पर रहेंगी। साथ ही देवर एवं ननदों से भी छपीतपां श्रंपद के मधुर संबंध नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की भी न्यूनता रहेगी। इसके अतिरिक्त परस्पर प्रतिद्वन्दिता तथा आलोचना का भाव रहेगा।

सामान्य रूप से सास ससुर का छपीतपां श्रंपद के प्रति अनुकूल दृष्टिकोण रहेगा तथा परिवार में उसकी महता को स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

ीपी क्मूंद की अपनी सास से संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उनके प्रति श्रद्धा सम्मान एवं सहयोग का भाव रहेगा। ीपी क्मूंद सपत्नीक समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे जिससे आपसी संबंधों में मधुरता की वृद्धि होगी। साथ ही ीपी क्मूंद का व्यवहार उनके प्रति विनम्रता से युक्त रहेगा।

ससुर के साथ भी ीपी क्मूंद के संबंधों में मधुरता का भाव रहेगा। साथ ही इन दोनों के मध्य दामाद ससुर की अपेक्षा पिता पुत्र का भाव अधिक रहेगा। ीपी क्मूंद भी समय समय पर अपने समस्याओं के समाधान के लिए ससुर से सलाह लेते रहेंगे लेकिन साले तथा सालियों से संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान तथा सहयोग की प्राप्ति अल्प मात्रा में ही होगी।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण ीपी क्मूंद के प्रति अनुकूल रहेगा जिससे उनके आपसी संबंध अनौपचारिक रहेंगे।

Pulak Sagarm

T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com

लग्न फल

Ashish Dewan

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरुद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वाकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुनर्निर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृत्ति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मत्क्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का

Pulak Sagarm

T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com

सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

Niharika Jain

आपका जन्म श्रवण नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मकर लग्नोदय काल हुआ था। जन्म लग्न के साथ-साथ कर्क राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेषकाण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। लग्नादि की संयोजन आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जीवन मिश्रित फलदायक होगा। जन्म का प्रथम सकारात्मक पक्ष आपके नाम, प्रसिद्धि एवं धन प्राप्ति हेतु पूर्णतः अनुकूल होगा। परन्तु अन्य पक्ष आपको दिक्कत परेशानियों से युक्त संघर्षदायक होगा जो घर-परिवार तथा घरेलू जीवन हेतु नकारात्मक परिस्थिति का सृजन कर रहा है।

आपकी जन्मपत्रिका के अनुसार ऐसा प्रतीत हो रहा है कि आपको अपने पिता के साथ मतभिन्नता रहेगी तथा उनके सहयोग से कोई लाभ नहीं हो सकता है। आपका पुत्र पक्ष भी आपके सौभाग्य हेतु प्रतिकूलता अपनाएगा। अन्यथा आपका पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा। क्योंकि आपके पति समझदार एवं आकर्षक होंगे। परन्तु वह भी आपकी प्रसन्नता हेतु अतिरिक्त प्रयास नहीं कर सकेगे। आप विद्वान एवं चतुर होंगी। आप अपनी आत्मिक शक्ति द्वारा दृढ़ प्रतिज्ञा होकर अपने कार्य व्यवसाय के प्रति उपस्थित एवं कार्य प्रदर्शन करती रहेंगी। आप जिस कार्य को संपादन करने का भार ग्रहण करेंगी आप उस कार्य की सफलता हेतु सक्षम होंगी। आप दिक्कतों की सामना करने के प्रति लग्नशील होकर तनिक भी नहीं घबराएंगी तथा स्वच्छंद भाव से हस्तगत कार्य को मध्यावस्था तक लाकर ही निश्चित होंगी।

आपके लिए कार्य व्यवसायों में अनुकूल व्यवसाय जिसमें आपका मन प्रवृत्त हो सकें। वह भूमि से संबंधित कार्य होगा। यथा खनन कार्य, खनिज व्यवसाय, सिंचाई कार्य (डिलरशीप) आदि। इसके अतिरिक्त उपव्यवसाय जैसे ट्रस्ट एवं शक्ति सामर्थ्ययुक्त कार्य व्यवसायों में आप उच्चता प्राप्त कर सकती हैं।

आपके संपूर्ण जीवन की अवधि के अंतर्गत 19 वीं वर्ष से 24 वीं वर्ष की आयु के मध्य का समय आपकी अभिलाषा के अनुरूप सभी प्रकार का उपयुक्त धन संपत्ति को अर्जित कर लेंगी।

Pulak Sagarm

T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com

आपकी अभिरूचि धार्मिक एवं आध्यात्मिक दर्शन के प्रति होगी। आप अनेक धर्मस्थलों का दर्शन करेंगी तथा सार्वजनिक संस्थाओं को दान-प्रदान करेंगी। आप बिना आलसी प्रवृत्ति की सर्वदा सामाजिक सेवा कार्य करती रहेंगी।

आप दीर्घ एवं स्वस्थ जीवन व्यतीत करेंगी। परंतु आप अंधाधुंध यत्र-तत्र सर्वत्र भ्रमण करते रहेंगी। जिसकी वजह से शरीर में छोटा साधारण जख्मादि की संभावना बन सकती है। आपके लिए उत्तम यह हो कि कहीं से छलांग लगाने या उछल कूद करने के पहले भली प्रकार देख कर ऐसा करें। वर्षों बाद कुछ रोगादि की आशंका है यथा अपाचनिक व्यवधान, क्षयरोग एवं चर्म रोग यथा नोचनी, खुजली, फोड़ा फुंसी आदि आपको प्रभावित कर सकता है। अतः आप सीधे तरीके से अपने परिवारिक चिकित्सक से संपर्क स्थापित कर चिकित्सा हेतु कोई भी औचित्य अपना सकती हैं।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 6, 8 एवं 9 अंक है। परंतु अंक 3 आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अत्यंत परेशानी उत्पन्न करने वाला एवं चिंताग्रस्त रखने वाला दिन रविवार, सोमवार एवं गुरुवार का दिन है। इन दिनों में कोई भी कार्य संपादन नहीं करें। आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम दिन शुक्रवार बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल है। इन दिनों में कोई भी महत्वपूर्ण कार्य का प्रारंभ एवं संपादन कर सकती हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, काला, लाल एवं नीला रंग उत्तम है। परंतु क्रीम एवं पीले रंग का सर्वथा परित्याग करें।

Pulak Sagarm

T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com

अंक ज्योतिष फल

Ashish Dewan

आपका जन्म दिनांक 15 है। एक एवं पाँच के योग से आपका मूलांक 6 होगा। मूलांक 6 का अधिष्ठाता शुक्र है एवं एक का सूर्य तथा पाँच का बुध है। आपके जीवन में इन तीनों ग्रहों की काफी भूमिका रहेगी। मूलांक 6 के प्रभाव से आप एक सौन्दर्य प्रेमी, सुरुचिपूर्ण व्यवहार करने वाले, जनता के मध्य लोकप्रिय व्यक्ति होंगे। ललित कलाओं में आपकी रुचि रहेगी एवं गान, वाद्य, गीत संगीत सुनने का शौक रहेगा। आप प्रत्येक कार्य में स्वच्छता पसन्द करेंगे। आपके अन्दर दूसरों को अपनी ओर आकर्षित करने की शक्ति रहेगी एवं उन्हें अपना बना लेने की कला रहेगी।

सूर्य के प्रभाव से आप जीवन में सदैव प्रकाशित रहना चाहेंगे। परोपकार में हिचकेंगे नहीं तथा अपने कार्य को निष्पक्ष एवं ईमानदारी से करेंगे। बुध के प्रभाव से आपमें वाणी चातुर्य का विकास होगा। आप सोच-समझकर वाणी व्यवहार करेंगे। तर्क शक्ति अच्छी होगी तथा दूसरों को अपनी बात सहज में समझाने की सामर्थ्य रहेगी। आपकी समाज सेवा के कार्यों में रुचि रहेगी। दान पुण्य के कार्य आपके हाथ से होंगे। विद्याध्यन आपके लिये हितकर है एवं अपने बुद्धि चातुर्य, विद्या बुद्धि के सहारे अपने जीवन में प्रारम्भ से ही सफलता अर्जित करेंगे। एकाध असफलताएँ भी मिलेंगी। लेकिन इनसे आप बिना विचलित हुये अपने जीवन के लक्ष्य पर पहुंचेंगे एवं घर परिवार, समाज में नाम कमायेंगे।

Niharika Jain

आपका जन्म दिनांक 28 है। दो एवं आठ के योग से एक आपका मूलांक होता है। मूलांक एक का स्वामी सूर्य ग्रह है। अंक दो का चन्द्र तथा आठ का शनि है। इन तीनों ही ग्रहों का संयुक्त प्रभाव आपके जीवन में आयेगा।

मूलांक एक का स्वामी सूर्य जीवनदाता है एवं ब्रह्माण्ड में स्थिर ग्रह है। अन्य सभी ग्रह तो सूर्य के चक्कर लगाते हैं। अतः सूर्य ग्रह के प्रभाववश आप एक स्थिर प्रकृति की महत्वाकांक्षी, उदीयमान, प्रतिभाशाली महिला के रूप में पहचानी जायेंगी। आप स्वतंत्र विचार धारा की धनी होंगी। पराधीन कार्य करने में असुविधा महसूस होगी। आप प्रत्येक कार्य को स्वतंत्रता पूर्वक निष्पक्ष संपादन करने की हिमायती रहेंगी। इससे आपको प्रतिद्वन्दियों के विरोध का सामना करना पड़ेगा। आप स्थायी एवं दीर्घ कालीन संबंध बनाने पर विश्वास करेंगी। आपकी कोशिश हमेशा यही रहेगी कि जब भी आप किसी के साथ मित्रता, व्यापारिक, सामाजिक, राजनैतिक अथवा प्रेम, रोमांस, इत्यादि के जो भी संबंध बनाएँ उनमें स्थायित्व रहे।

सूर्य जिस तरह प्रकाशित ग्रह है। उसी भाँति आप भी अपने जीवन में सदा प्रकाशित रहना पसन्द करेंगी। समाज वर्ग विशेष में मुखिया की भूमिका आप बखूबी निभाने की क्षमता रखेंगी। अपनी मेहनत के बल पर आप सभा-सोसायटी, संगठनों इत्यादि में प्रमुख पद को प्राप्त करेंगी।

Pulak Sagarm

T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com

अंक दो के स्वामी चन्द्र के कारण आपमें कल्पनाशीलता अच्छी रहेगी। आप जो भी सृजन करेंगी उसमें मौलिकता रहेगी। अंक आठ का स्वामी शनि ग्रह के प्रभाव से कभी-कभी आपके अन्दर नैराश्य भाव जाग्रत होगा। आलस्य में वृद्धि होगी और बनते हुये कार्यों में रुकावटें आयेंगी।

Ashish Dewan

भाग्यांक आठ का स्वामी शनि ग्रह को माना गया है। शनि ग्रह अति धीमा होने से तीस वर्ष में एक राशिपथ भ्रमणचक्र पूर्ण करता है। इसके प्रभाव से आपका भाग्योदय भी धीरे-धीरे होगा। आप भले ही कितनी भी गरीबी में उत्पन्न हुए हों आपका भाग्य सीढ़ी दर सीढ़ी चढ़ता चला जायेगा। इस मध्य रुकावटें भी आयेंगी, जिन्हें आप धैर्य एवं अपने श्रम से पार कर लेंगे। आलस्य एवं निराशा आपकी तरक्की की बाधाएँ रहेंगी। इन पर विजय प्राप्त करना आपकी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

आप अपने कार्यक्षेत्र में काफी महत्वपूर्ण उपलब्धियों को प्राप्त करेंगे। आपकी सभी सफलताएं विधनों से युक्त होते हुये भी आप आसानी से अपनी तरक्की के रास्ते स्वयं निर्मित कर लेंगे। आपका भाग्योदय 35 वर्ष की अवस्था के पश्चात ही होगा। बचपन की अपेक्षा मध्य तथा अन्तिम अवस्था आपके भाग्योदय में विशेष सहायक होगी। अन्तिम अवस्था आपकी अच्छी रहेगी एवं धन सम्पत्ति का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे।

Niharika Jain

भाग्यांक नो का स्वामी मंगल ग्रह को माना गया है। यह ग्रह मण्डल का सेनापति है। रक्त वर्ण का क्षत्रियोचित गुणों का है। इसके प्रभाव से आप स्वतंत्ररूप से रोजगार- व्यापार के क्षेत्र में तरक्की करेंगी। साहस भरे कार्यों से आपका भाग्योदय होगा। आप ऐसे क्षेत्र में अपना रोजगार प्राप्त करेंगी, जहाँ आपकी हुकूमत चलती रहे। मुखिया, नायक, अगुआ के रूप में कार्य करना आपको हमेशा अच्छा लगेगा।

रोजगार के क्षेत्र में आप अपनी स्वतंत्र विचारधारा के द्वारा महत्वपूर्ण उन्नति को प्राप्त करेंगी। यांत्रिक कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। एकाधिकार पूर्ण कार्य क्षेत्र आपकी प्रथम पसन्द रहेंगे और आपकी कोशिश रहेगी कि आपने जो कार्यक्षेत्र अपने जीवन यापन हेतु चुना है उसमें किसी का भी हस्तक्षेप न हो। विरोध, बिना वजह का हस्तक्षेप आप बर्दास्त नहीं कर पायेंगी। यांत्रिकी कार्य, चिकित्सा, सेना, संगठन, सामाजिक क्रिया कलापों में आप गहरी रुचि प्रदर्शित करेंगी।

Pulak Sagarm

T-13, Cosmo Tower
Hanuman Chauraha, jank ganj
Gwalior - Pin - 474001
9425187186, 9302614644
Astrodr.hcjain@gmail.com